मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 49 ■ सोमवार 27 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
FOLLOW US · GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

रणवीर सिंह को कांतारा विवाद में कोर्ट से राहत

बारवी डैम में 41.80% पानी

■ गत वर्ष के मुकाबले ज्यादा पानी

■ ठाणे जिला में जलसंकट की चिंता नहीं

अंबरनाथ. अंबरनाथ, उल्हासनगर समेत पूरे ठाणे जिले को जलापूर्ति करने वाले बारवी डैम में गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष पानी ज्यादा है. इसलिए ये अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वर्ष पानी की किल्लत नहीं होगी. ये और बात है कि प्रशासन पानी कटौती करेगा या नहीं.

गत वर्ष 26 अप्रैल 2025 को डैम में 40.29 प्रतिशत पानी था. 62.72 मीटर पानी और पानी का स्टोरेज 136.54 एमसीएम था. इस वर्ष 26 अप्रैल 2026 को 41.80% पानी डैम में है. गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष 1.60 प्रतिशत पानी ज्यादा है जो कि 4 से 5 महिने के लिए काफी है. 63.09 मीटर और 141.64 एमसीएम पानी डैम में है. ऐसी जानकारी बारवी डैम के एक अधिकारी द्वारा दी गई है.

डैम में पानी समाधानकारक है. क्योंकि पिछले वर्ष बरसात ज्यादा दिनों तक एवं अच्छी बारिश हुई थी. विदित हो कि 27 जुलाई 2025 को डैम पूरा भर गया था. इस डैम को अंबरनाथ, उल्हासनगर महानगर पालिका क्षेत्र, कल्याण डोंबिवली मनपा, नवी मुंबई, ठाणे, मीरा भायंदर महानगर पालिका क्षेत्र के साथ सभी एमआईडीसी क्षेत्र की कंपनियों को बारवी डैम से जलापूर्ति की जाती है. डैम की ऊंचाई 76.22 मीटर है, लेकिन 72.60 मीटर पर पानी ओवरफ्लो होता है. डैम में 340 एमसीएम पानी जमा रहता है. आज इस डैम में 141.64 एमसीएम पानी है. ठाणे जिले के लिए ये डैम एक वरदान है. डैम में पानी ठीक होने से चिंता की कोई बात नहीं है.

एहतियातन प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे कदम....

हालाँकि प्रशासन जल प्रबंधन के लिए एहतियातन कदम उठा रहा है, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए पूरी तरह निश्चिंत होना मुश्किल है। बारवी डैम के जल स्तर (लगभग 41.80%) और एल नीनो (El Niño) के कारण मानसून में संभावित देरी या कम बारिश की आशंका ने चिंता बढ़ा दी है।

ठाणे जिला प्रशासन और महानगर पालिकाओं ने अभी से एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं.

■ साप्ताहिक पानी की कटौती

बारवी बांध के स्तर में गिरावट को देखते हुए, सिंचाई विभाग ने 1 मई 2026 से साप्ताहिक एक दिन (24 घंटे) की कटौती लागू करने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना कि उपलब्ध पानी का भंडार अगस्त के अंत तक चल सके।

■ पानी के उपयोग पर नए प्रतिबंध

वाहन धोने पर रोक: ठाणे में 10 जून 2026 तक सर्विस सेंटरों पर वाहनों को धोने पर

प्रतिबंध लगा दिया गया है ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके।

पुराने कुओं का पुनरुद्धार:

जल संकट को कम करने के लिए प्रशासन शहर के पुराने कुओं को साफ कर उन्हें पीने योग्य पानी के स्त्रोत के रूप में विकसित कर रहा है, जिससे दैनिक कमी को कुछ हद तक पूरा किया जा सके।

पुरानी रंजिश को लेकर दो गुटों में मारपीट

■ अलग-अलग केस दर्ज

उल्हासनगर. खेमानी इलाके में मछली बेचने और पुराने झगड़े को लेकर दो गुटों में तीखी झड़प का मामला सामने आया है। यह घटना रात करीब 1:30 बजे हुई और उल्हासनगर पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर अलग-अलग केस दर्ज किए हैं।

पहली घटना में शिकायतकर्ता गुरशीश सिंह जगताल सिंह सबंथा (18) की शिकायत के अनुसार, 23 अप्रैल को रात करीब 1:30 बजे, जब वह अपने दोस्तों के साथ घर के बाहर था, तो आरोपियों ने उसे घेर लिया। यह कहते हुए कि, 'तुम विजय के साथ क्यों घूम रहे हो, हम तुम्हें मछली बेचने की दुकान नहीं लगाने देंगे,' आरोपियों ने लोहे की रॉड, दरांती, लकड़ी के बांस और लठबक्कर से गुरशीश पर जानलेवा हमला कर दिया।

शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने झगड़े में बीच-बचाव करने आई गुरशीश की मां को भी बुरी तरह पीटा। इस मामले में पुलिस ने मंगल सिंह तारा सिंह गिल, ममता कौर मंगल सिंह गिल, जसबीर सिंह मंगल सिंह गिल, रणबीर सिंह मंगल सिंह गिल, अवतार सिंह तारा सिंह गिल और मंजीत कौर तारा सिंह गिल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

दूसरी ओर, ममता कौर मंगल सिंह गिल (40) ने भी इसी घटना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उनके अनुसार, रात करीब 1:30 बजे, गुरुशीष सिंह जगताल सिंह ने उनके घर की गैलरी में पथराव किया। जब इस घटना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने उनके पति को गालियां दीं और 'तुम्हारा गेम करूंगा' की धमकी दी और अपनी कमर से हंसिया निकालकर उनके पति के पेट, कंधे और पीठ पर कई वार किए। जब ममता कौर और उनकी सास रानी दर्शन सिंह गिल (55) अपने पति को बचाने गईं, तो उन्हें भी हथियारों से घायल कर दिया गया।

1639 प्रॉपर्टी मालिकों पर 235 करोड़ बकाया

उल्हासनगर. एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत नगरसेवक जमनू पुरुस्वानी ने प्रॉपर्टी टैक्स का मुद्दा उठाया। उल्हासनगर में, पांच लाख से ज़्यादा बकाया वालों की लिस्ट जारी की गई। इसमें कुल 1639 प्रॉपर्टी मालिकों पर महानगर पालिका का करीब 235 करोड़ रुपये बकाया है। यह जानकारी देते हुए मनपा आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि रिकवरी तुरंत की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि

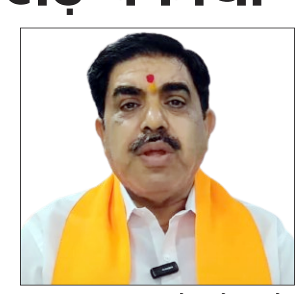

अभय स्कीम पर कोई ज़ोर न दे, क्योंकि इस स्कीम की वजह से नगर पालिका को पैसे का नुकसान हुआ है।

48 हज़ार राशन कार्ड धारकों को मुफ़्त साड़ियाँ मिलेंगी

ठाणे. राज्य सरकार ने राज्य में अंत्योदय अन्न योजना राशन कार्ड धारकों के लिए एक अहम और खुशी का फ़ैसला लिया है और इस स्कीम के तहत, ठाणे जिले में अब योग्य परिवारों को हर साल एक साड़ी मुफ़्त में दी जाएगी। ज़िला सप्लाई ऑफ़िसर सरजेराव मस्केपाटिल ने कोऑपरेटिव, मार्केटिंग और टेक्सटाइल डिपार्टमेंट के फ़ैसले के मुताबिक ज़िले में शुरू की गई 'कैप्टिव मार्केट' स्कीम को असरदार तरीके से लागू करने का आदेश दिया है। इस खास कैंपेन के तहत, ठाणे ज़िले के अंबरनाथ, भिवंडी, कल्याण, मुरबाद और शहापुर के पाँच तालुकों में कुल 48 हज़ार 704 अंत्योदय परिवारों को इस स्कीम का सीधा फ़ायदा मिलेगा।

राज्य में अंत्योदय अन्न योजना राशन कार्ड होल्डर्स के लिए कई स्कीमें लागू की गई हैं। मुफ़्त अनाज समेत कई स्कीमें लागू की गई हैं। इसी बैकग्राउंड में, अब इन राशन कार्ड होल्डर्स को मुफ़्त साड़ियाँ दी जाएँगी। ये साड़ियाँ कपड़े के थैले के साथ बाँटी जाएँगी। इस पूरे प्रोसेस के लिए महाराष्ट्र स्टेट पावर लूम कॉर्पोरेशन को 'नोडल एजेंसी' बनाया गया है, और कॉर्पोरेशन तालुका के गोदामों में साड़ियों की सप्लाई कर रहा है।

साड़ियों के डिस्ट्रीब्यूशन में ट्रांसपेरेंसी बनाए रखने के लिए, 'e-POS' मशीनों का इस्तेमाल ज़रूरी कर दिया गया है, और हर डिस्ट्रीब्यूशन को Ae-PDS पोर्टल पर 'ऑनलाइन' रिकॉर्ड किया जाएगा। गोदामों में मिलने वाले साड़ियों के बंडलों का वज़न लगभग 41 से 46 kg (100 साड़ियाँ) तय किया गया है, और तहसीलदारों को इस बात का खास ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं कि स्टोरेज और हैंडलिंग के दौरान साड़ियाँ खराब न हों। साड़ियों के ट्रांसपोर्टेशन की प्लानिंग 'रूट ऑप्टिमाइज़ेशन' सिस्टम के हिसाब से की गई है, और एडमिनिस्ट्रेशन ने इन साड़ियों को बिना देर किए तालुका की फेयर प्राइस शॉप्स तक पहुँचाने के निर्देश दिए हैं।

18,268 साड़ियां शहापुर में बांटी जाएंगी

जिला प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, सबसे ज़्यादा 18,268 साड़ियां शहापुर तालुका में बांटी जाएंगी, इसके बाद मुरबाड में 11,221, भिवंडी में 11,474, अंबरनाथ में 4,084 और कल्याण तालुका में 2,881 साड़ियां बांटी जाएंगी। इसके अलावा, 'FCI भिवंडी' के लिए 776 साड़ियां दी गई हैं।

उल्हासनगर मनपा उपायुक्त के ऑफिस में धरना

■ 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

उल्हासनगर. विरासत के अधिकार वाली नौकरी के मामले में उल्हासनगर मनपा की उपायुक्त दीपाली चौगुले के ऑफिस में हंगामा करने वाले सात लोगों के खिलाफ सेंट्रल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। यह घटना गुरुवार दोपहर की है और इस मामले में शुक्रवार देर रात कार्रवाई की गई।

डिप्टी कमिश्नर चौगुले गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में अपने ऑफिस में अधिकारियों के साथ मीटिंग कर रही थीं। इसी समय शैलेश तिवारी, डेविड घोरपड़े, राजेंद्र अंडगले, आदित्य घोरपड़े, कुसुम घोरपड़े, जयश्री घोरपड़े और मालती नवगिरे ऑफिस में घुस आए। उन्होंने पूछा कि विरासत के अधिकार से नौकरी पाने का मामला पिछले कई सालों से पेंडिंग है। जब डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि वह मीटिंग में हैं और बाद में आने को कहा, तो प्रदर्शनकारियों ने हंगामा कर दिया। इस समय उन्होंने ऑफिस में गाली-गलौज करते हुए विरोध किया। आखिर में सिक्योरिटी गार्ड ने बीच-बचाव किया और सभी को ऑफिस से बाहर निकाल दिया। इस मामले में असिस्टेंट कमिश्नर विशाल कदम की शिकायत पर सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

'इंसाफ के लिए विरोध'

विरोध का नेतृत्व करने वाले शैलेश तिवारी ने कहा कि मनपा के काम पिछले 5 से 7 साल से पेंडिंग हैं। हम यह मांग लेकर गए थे कि 80 साल की रिटायर्ड सफाई कर्मचारी कुसुम घोरपड़े के पोते को विरासत के हक पर नौकरी मिलनी चाहिए। उन्होंने माना कि अधिकारियों के टालमटोल करने की वजह से उन्हें बेशर्मी से विरोध करना पड़ा।

ऑर्केस्ट्रा बार पर छापा

ठाणे. जिले में पुलिस ने एक ऑर्केस्ट्रा बार पर छापा मारकर एक नाबालिग सहित 13 महिलाओं को मुक्त कराया। पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे ने बताया कि एक सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने भायंदर पूर्व स्थित बार पर छापा मारा और वहां मंच पर महिलाओं को नृत्य करते पाया। बार प्रबंधन द्वारा अनुमति से अधिक महिलाओं को काम पर रखने और ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए उन्हें अश्लील नृत्य करने पर मजबूर किए जाने की सूचना मिलने के बाद आधी रात को यह कार्रवाई की गई।

अंबेडकर की प्रतिमा का अपमान?

■ उल्हासनगर में अंबेडकर के अनुयायी गुस्से में

■ DCP ऑफिस तक मार्च निकाला

■ विवादित बैनर मामले में केस दर्ज करने की मांग

उल्हासनगर. डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के मौके पर लगाए गए विवादित बैनर को लेकर उल्हासनगर में अंबेडकर के फॉलोअर्स गुस्से में हैं और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर शुक्रवार, 24 तारीख को डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस के ऑफिस तक एक बड़ा मार्च निकाला गया। इस घटना से शहर में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया था।

जानकारी के मुताबिक, 14 अप्रैल को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के मौके पर हील लाइन पुलिस स्टेशन की सीमा में कई जगहों पर बैनर लगाए गए थे। हालांकि, आरोप है कि कुछ राजनीतिक पार्टियों द्वारा लगाए गए बैनरों में बाबासाहेब की फोटो के ऊपर राजनीतिक नेताओं की फोटो लगाकर अंबेडकरी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई है। अंबेडकरी फॉलोअर्स ने इसका विरोध करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी। इसी पृष्ठभूमि में, फॉलोअर्स शुक्रवार सुबह से ही हील लाइन पुलिस स्टेशन के पास जमा हो गए। इसके बाद बड़ी संख्या में लोगों ने नारे लगाते हुए मार्च निकाला। यह मार्च हील लाइन पुलिस स्टेशन से कैंप नंबर 3 में डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस ऑफिस तक निकाला गया।

इस बीच, जानकारी मिल रही है कि पुलिस प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। साथ ही, शहर में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस सुरक्षा तैनात की गई थी। अंबेडकर के अनुयायियों ने चेतावनी दी है कि अगर इस मामले में तुरंत केस दर्ज नहीं किया गया, तो वे कोर्ट जाएंगे और कानूनी तरीकों से न्याय मांगेंगे। इसलिए, अब इस मामले पर सभी का ध्यान गया है।

बदलापुर में रिक्शा ड्राइवर की गुंडागर्दी!

■ बहस के बाद युवक पर हथियार से हमला, केस दर्ज

बदलापुर. बदलापुर ईस्ट के गांधी चौक इलाके में हाल ही में एक मामूली झगड़े में एक युवक पर जानलेवा हमला होने की चौंकाने वाली घटना हुई है। रिक्शा ड्राइवर समेत तीन लोगों ने युवक की पिटाई की और उस पर धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस मामले में बदलापुर ईस्ट पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

सनी सोनताटे (उम्र 37) अपने ससुराल वालों से शॉपिंग करके घर लौट रहे थे। गांधी चौक में रिक्शा स्टैंड के पास से गुजरते समय, रवि शिंदे नाम के एक रिक्शा ड्राइवर ने तेज स्पीड और

लापरवाही से अपना रिक्शा उनके बहुत करीब से निकाला। सोनताटे डर गए और उन्होंने ड्राइवर से वजह पूछी। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

मामला बढ़ता देख सोनताटे ने अपने ससुराल वालों को दूसरे रिक्शा से घर भेज दिया। हालांकि, आरोप है कि बहस बढ़ने के बाद रवि शिंदे ने अपने दो और साथियों को बुला लिया। उन तीनों ने सोनताटे को पीटा। फिर उसके पेट में धारदार हथियार से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सोनताटे को घायल हालत में तुरंत बदलापुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और उसका इलाज चल रहा है। सोनताटे ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने हमले के दौरान उसे धमकाते हुए कहा, 'हम गांव वाले हैं, हम बाहरी लोगों की आवाज बर्दाश्त नहीं करेंगे।' उसने यह भी आरोप लगाया कि कुछ रिक्शा वाले कुछ लोकल लोगों के सपोर्ट की वजह से उसे धमका रहे हैं।

इस मामले में बदलापुर ईस्ट पुलिस स्टेशन में रवि शिंदे और उसके दो साथियों के खिलाफ जानलेवा हथियार से गंभीर रूप से घायल करने का केस दर्ज किया गया है। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर नितिन पाटिल ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

109 जब्त गाड़ियों की पुलिस करेगी नीलामी

■ जुर्माना भरकर गाड़ियां ले जाने का आखिरी मौका

उल्हासनगर. विट्ठलवाड़ी ट्रैफिक सब-डिवीजन पुलिस द्वारा अलग-अलग ऑपरेशन में जब्त की गई और पिछले कई सालों से धूल में पड़ी 109 गाड़ियों की नीलामी की जाएगी। विट्ठलवाड़ी ट्रैफिक सब-डिवीजन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अनिल पडवाल ने जब्त गाड़ियों के ड्राइवरों और मालिकों को चुनौती दी है कि वे अपनी जब्त गाड़ियों को कबाड़ होने से बचाने के लिए जुर्माना भरकर गाड़ियां ले जाएं।

विट्ठलवाड़ी ट्रैफिक सब-डिवीजन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अनिल पडवाल ने इन जब्त गाड़ियों के बारे में कहा कि ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के परिसर में कई सालों से 109 गाड़ियां जब्त हालत में पड़ी हैं। इन गाड़ियों पर काफी धूल जम गई है। धूल में पड़ी गाड़ियों की वजह से ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के परिसर में गंदगी का साम्राज्य बन गया है। इसके अलावा, इस धूल और गंदगी की वजह से इलाके में बीमारियां फैलने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए, ऐसी जब्त गाड़ियों को कबाड़ करने का फैसला किया गया है। ज़ब्त की गई गाड़ियों के मालिकों को उनके RTO नंबर के आधार पर नोटिस भेजे गए हैं। जिनकी गाड़ियां ज़ब्त की गई हैं, उन्हें जुर्माना भरकर अपनी गाड़ियां छोड़ने का आखिरी मौका दिया गया है। उनसे अपील की गई है कि वे कैंप नंबर 4 इलाके में विट्ठलवाड़ी ट्रैफिक पुलिस स्टेशन आएं, अपनी ज़ब्त की गई गाड़ियों को देखें, जुर्माना भरें और गाड़ियां ले जाएं। ट्रैफिक पुलिस ने साफ किया है कि अगर ज़ब्त की गई गाड़ी के मालिक दिए गए समय में सामने नहीं आते हैं, तो सभी ज़ब्त गाड़ियों को स्क्रैप कर दिया जाएगा।

> सरकार के 150 दिन के प्रोग्राम के तहत बहुत पुरानी गाड़ियों की नीलामी की प्रक्रिया के लिए सीनियर अधिकारियों से निर्देश मिले हैं। इसके अनुसार, विट्ठलवाड़ी ट्रैफिक सब-डिवीजन ऑफिस में जो 109 ज़ब्त गाड़ियां हैं। उन्हें RTO इवोल्यूशन के बाद नीलाम किया जाएगा। इसलिए, एक बार फिर, ज़ब्त गाड़ी मालिकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी गाड़ियों की पहचान करें और जो भी जुर्माना देना है, उसे भरें या जिन गाड़ियों पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है, उनके कागज़ात जमा करें और अपनी गाड़ियां ले जाएं ताकि उन्हें कबाड़ होने से बचाया जा सके.
>
> –अनिल पडवाल, सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर

ट्रैफिक पुलिस ने शहर के उन लोगों से अपील की है जिनकी गाड़ियां ज़ब्त की गई हैं, वे तुरंत आएं और जुर्माना भरकर अपनी गाड़ियां उस जगह से ले जाएं ताकि उनकी गाड़ियां स्क्रैप होने से बच सकें।

विट्ठलवाड़ी, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर इलाकों के सभी ड्राइवरों से अपील की जा रही है कि पिछले कुछ सालों से, शायद पंद्रह से बीस साल पहले, ट्रैफिक पुलिस ने कुछ गाड़ियां ज़ब्त की हैं। हो सकता है कि उन गाड़ियों को पुलिस ने लावारिस हालत में या ड्रंक एंड ड्राइव ऑपरेशन में ज़ब्त किया हो। या फिर यह कोई लावारिस गाड़ी हो सकती है, हो सकता है कि उनके पास गाड़ी के कागज़ात न हों, इसलिए इसे ज़ब्त कर लिया गया हो। कुल 130 गाड़ियां ज़ब्त की गईं। ज़ब्त की गई गाड़ियों के मालिकों को RTO नंबर के आधार पर नोटिस भेजे गए। करीब 21 गाड़ी मालिक जुर्माना भरकर अपनी गाड़ियां ले गए हैं।

अंबरनाथ में झगड़ा छुड़ाने वाले पर हमला

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शराब की दुकान में दो लोगों के बीच झगड़ा छुड़ाने गए व्यक्ति को ही हमारे बीच में क्यों आया बोलकर कांच का गिलास सर पर फोड़कर उसे वेटर ने घायल कर दिया. शिवाजी नगर पुलिस में उल्हासनगर-3 निवासी चिंतामन दगडू हरड (31) ने अपराध पंजीकृत कराया है कि वह 25 अप्रैल को दोपहर 2 बजे हमेशा की तरह अमोल देशी बार में शराब पीने गए. वह जिस टेबल पर शराब पीने बैठे थे, उसी टेबल पर एक ग्राहक और बार के वेटर संतोष ओमकारनाथ पुरी का झगड़ा चल रहा था. दोनों का झगड़ा छुड़ाने के लिए चिंतामन गया तो वेटर संतोष उनके पास आकर बोला कि तुम हमारे झगड़े के बीच में नहीं आने का, ऐसा बोलकर गालीगलौज करते हुए आरोपी संतोष ने उसके हाथ में पकड़ा हुआ कांच का गिलास उसके सर पर दे मारा. चिंतामन का सर फट गया और वह घायल हो गया है. उसने शिवाजी नगर पुलिस में वेटर संतोष के खिलाफ अपराध दर्ज कराया है. पुलिस उप निरीक्षक एन. बी. गायकवाड़ मामले की जांच कर रहे हैं.

अतिरिक्त रिकवरी के लिए नौकरी से निकाला

■ गैस एजेंसी के खिलाफ राशनिंग विभाग से शिकायत

उल्हासनगर. शहर की एक गैस एजेंसी में कई सालों से काम कर रहे कर्मचारियों को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया। एजेंसी मैनेजमेंट गैस ग्राहकों पर अतिरिक्त वसूली का दबाव बना रहा था और कर्मचारियों का दावा है कि उनके मना करने पर ही यह कार्रवाई की गई। इस बारे में कर्मचारियों ने उल्हासनगर राशनिंग विभाग के ऑफिसर के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

कर्मचारियों ने दावा किया कि एजेंसी के सीनियर अधिकारियों ने सोमवार (19) रात करीब 9:30 बजे कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का ज़ुबानी आदेश दिया। जब उन्होंने इसका कारण पूछा, तो मैनेजमेंट ने कर्मचारियों को हर गैस कस्टमर से एक्स्ट्रा चार्ज वसूलने को कहा था। अभी कर्मचारी 250 रुपये ले रहे हैं और यह रकम बढ़ाकर 400 रुपये करने को कहा गया. कर्मचारियों का कहना है कि यह काम करने से मना करने पर काम से निकाल दिया गया है.

शंकर कांबले, महेंद्र जाधव, अनिल डोंगरे, सनी गायकवाड़, दत्ता डोंगरे ने एडमिनिस्ट्रेशन से तुरंत दखल देने की रिक्वेस्ट की है।

अगर इस मामले में गैस एजेंसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो इन कर्मचारियों ने भूख हड़ताल करने की भी चेतावनी दी है।

OTP स्कैम का दावा

उल्हासनगर की इस गैस एजेंसी के अधिकारियों ने कर्मचारियों के सभी दावों को खारिज कर दिया है। कुछ कस्टमर की तरफ से बार-बार शिकायत आ रही है कि कर्मचारी OTP स्कैम कर रहे हैं। इसलिए, यह साफ़ किया गया है कि नियमों के अनुसार कार्रवाई की गई है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

सड़कें बढ़ीं, सुरक्षा घटी

इसमें दोराय नहीं कि विकास में पिछड़े देश के मैदानी क्षेत्रों से लेकर पहाड़ के दुर्गम इलाकों में भी अब सड़कों का जाल बिछ गया है, जिससे वहां का कठिन जनजीवन काफी हद तक आसान हो गया है। मगर सड़कों के निर्माण के साथ-साथ सुरक्षित सफर का पहलू भी बेहद महत्त्वपूर्ण है। इस मसले पर शासन-प्रशासन के दावों के बावजूद सड़क हादसे कम होने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं।

उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल जिले के चंबा क्षेत्र में बीते गुरुवार को एक वाहन के गहरी खाई में गिरने से उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो जाने की घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा में खामियों और जोखिम को उजागर किया है। सवाल है कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन, सड़कों की समुचित देखरेख और निर्माण में कमियों पर गंभीरता से ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है? क्या सिर्फ कागजों में योजनाओं और उपायों का खाका खींचने भर से सड़क दुर्घटनाएं कम हो जाएंगी? इन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है?

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने हाल में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को सड़क से सफर सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए थे। शीर्ष अदालत का यह कहना बेवजह नहीं था कि जिन खामियों को दुरुस्त किया जा सकता है, अगर उनकी वजह से सड़क हादसों में एक भी जान जाती है, तो यह संबंधित राज्य एवं प्राधिकरण की सुरक्षा जिम्मेदारी में कमी और लापरवाही को दर्शाता है। पहाड़ी राज्यों में तो भौगोलिक जटिलताओं की दृष्टि से सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम ज्यादा होता है और ऐसे में वहां हर स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत होती है।

मगर शायद ही इस पर कोई विशेष ध्यान दिया जाता है और यही लापरवाही आए दिन पहाड़ी इलाकों में बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। बुनियादी सुरक्षा सावधानियों की कमी, सड़कों पर अतिक्रमण, ज्यादा जोखिम वाली जगहों पर पैराफिट की मजबूत घेराबंदी एवं निगरानी का अभाव खतरे को और ज्यादा बढ़ा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें सड़क सुरक्षा को लेकर मजबूत एवं प्रभावी तंत्र विकसित करे, ताकि मानव जीवन की रक्षा हो सके।

विमर्श

ऊर्जा संकट से जूझता विश्व

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच दो सप्ताह से जारी युद्धविराम को जिस तरह यकायक अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया, उससे वे अपने कदम पीछे खींचते हुए दिखे। उन्होंने युद्धविराम विस्तार की घोषणा ऐसे समय की, जब इस्लामाबाद में होने वाली दूसरे दौर की शांति वार्ता को लेकर संशय कायम था। गत दिवस संशय के ये बादल छंटे और दोनों देशों के प्रतिनिधियों के इस्लामाबाद रवाना होने की खबरों से दूसरे दौर की वार्ता की संभावना बढ़ी है।

ईरान ने पहले दौर की वार्ता विफल होने के बाद जिस प्रकार अमेरिका से बात करने से इन्कार किया था, उससे यही लग रहा था कि वह अपने बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी खत्म किए बिना न तो होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने के लिए तैयार होगा और न ही वार्ता के लिए। अब यदि वह वार्ता के लिए तैयार है तो शायद इसलिए कि अमेरिकी नाकेबंदी उसके लिए परेशानी का कारण बन रही है। जो भी हो, जब तक दूसरे दौर की वार्ता हो नहीं जाती और वह किसी नतीजे पर नहीं पहुंच जाती, तब तक पश्चिम एशिया संकट और साथ ही ऊर्जा संकट खत्म होने के आसार नहीं।

अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की वार्ता इसलिए विफल हुई थी, क्योंकि ईरान न तो यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम से पीछे हटने को तैयार था और न ही होर्मुज पर अपना आधिपत्य छोड़ने के लिए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि युद्धविराम विस्तार के बाद भी होर्मुज बंद है। अमेरिकी नाकेबंदी के पहले वहां से इक्का-दुक्का जो जहाज निकल पा रहे थे, अब वे भी नहीं निकल पा रहे हैं।

ईरान अमेरिकी नाकेबंदी खत्म करने की शर्त रखने के साथ ही इस पर अड़ा है कि वह होर्मुज से निकलने वाले जहाजों को अपनी निगरानी में निकलने देगा और उनसे फीस भी वसूलेगा। यह किसी को स्वीकार नहीं हो सकता-न तो अमेरिका को और न ही खाड़ी देशों को, क्योंकि होर्मुज स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। होर्मुज से विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की ढुलाई होती है। उसके बाधित होने से भारत समेत एशियाई देशों को ही ऊर्जा संकट का सामना नहीं करना पड़ रहा है। संकट का असर अमेरिका समेत पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। हालांकि अमेरिका के पास अपने तेल एवं गैस भंडार हैं, लेकिन होर्मुज से ऊर्जा आपूर्ति ठप हो जाने से तेल और गैस के दाम उसके यहां भी बढ़ रहे हैं। उसके मुकाबले विश्व के अन्य देशों को कहीं अधिक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है।

चूंकि ईरान यह समझ रहा है कि वह होर्मुज बाधित कर विश्व के देशों को अमेरिका पर इसके लिए दबाव डालने में सक्षम हो सकता है कि वह टकराव से पीछे हटे, इसलिए उसने भी कठोर रवैया अपना लिया है। यह रवैया दूसरे दौर की वार्ता को भी विफल कर सकता है। ईरान अमेरिकी हमलों के जवाब में खाड़ी देशों में उसके ठिकानों को निशाना बनाने में भी सक्षम है। अमेरिका की समस्या यह है कि वह ईरान के हमलों का पूरी तरह प्रतिकार करने में सक्षम नहीं दिख रहा। इससे अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले खाड़ी के देशों में भी बेचैनी है।

यह स्पष्ट है कि होर्मुज खुलने में जितना विलंब होगा, ऊर्जा संकट उतना ही गहराएगा। इस संकट के चलते अमेरिका ईरान को नए सिरे से निशाना बनाने के लिए बाध्य तो हो सकता है, लेकिन ट्रंप के लिए उसके खिलाफ ऐसा करना आसान नहीं। शायद यही कारण है कि वे कभी ईरान को तबाह करने की धमकी देते हैं और कभी उससे समझौते की उम्मीद जताते हैं। वे बीते 10-12 दिनों में न जाने कितनी बार अपने बयान बदल चुके हैं। उनके बार-बार बदलते और विरोधाभासी बयानों से विश्व को यही संदेश जा रहा है कि वे पश्चिम एशिया में उपजे संकट का समाधान करने की स्थिति में नहीं।

इस सबके बीच ईरान ने दावा करना शुरू कर दिया है कि उसने होर्मुज से निकलने वाले जहाजों से वसूली शुरू कर दी है। पता नहीं सच क्या है, लेकिन होर्मुज बाधित रहने से ऊर्जा संकट गंभीर रूप लेता जा रहा है। यदि इस यथास्थिति में अमेरिका पीछे हटता है तो इससे उसकी फजीहत तो होगी ही, युद्ध में हुई क्षति की भरपाई के नाम पर ईरान होर्मुज से निकलने वाले जहाजों की वसूली करने में भी सक्षम हो सकता है। इससे भी तेल और गैस के दाम बढ़ जाएंगे।

विज्ञान और अध्यात्म के मूल में एक साँझेदारी है जो समान प्रश्नों के उत्तर ढूंढती है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बंपर वोटिंग के मायने: लोकतांत्रिक चेतना के साथ प्रतिस्पर्धा

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के तहत गुरुवार को हुआ मतदान पार्टियों के बीच जीत के लिए जोर-आजमाइश या राजनीतिक खींचतान से ज्यादा डाले गए वोट के फीसद के लिए दर्ज किया जाएगा। निश्चित तौर पर यह उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र के एक पर्व के तौर पर देखे जाने वाले चुनाव और मतदान में ज्यादा से ज्यादा मतदाता हिस्सा लें।

मगर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक जितने अधिकतम लोगों ने वोट डाले थे, इस बार के चुनाव में वह आंकड़ा पार कर गया। स्वाभाविक ही इसे लोकतंत्र के जीवन और आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता फैलने के रूप में देखा जा रहा है। मगर इसके समांतर कुछ अन्य सहायक कारक भी स्पष्ट हैं, जिनकी वजह से पात्र मतदाताओं ने दोनों राज्यों में जम कर वोट डाले।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव के पहले चरण में करीब तिरानबे फीसद लोगों ने मतदान किया, जबकि तमिलनाडु में पचासी फीसद से ज्यादा लोग घर से निकले और उन्होंने वोट डाले।

जाहिर है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों ने अगर मतदान किया है, तो इसके पीछे मुख्य कारण संवैधानिक अधिकारों के प्रति जनता के बीच फैली

व्यापक जागरूकता है और यह देश के लोकतंत्र के लिए एक सुखद संकेत है। हालांकि पश्चिम बंगाल में होने वाले किसी भी चुनाव में मतदान का फीसद सामान्य तौर पर अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा रहता है, लेकिन इस बार का आंकड़ा अगर इतना ऊंचा गया है, तो इसकी वजह वहां के राजनीतिक माहौल में प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच आक्रामक खींचतान से पैदा हुआ उद्वेलन भी है, जिसने बहुत सारे लोगों को अपना वोट हर हाल में डालने को लेकर जागरूक किया।

तमिलनाडु में भी कमोबेश स्थिति यही रही। दिलचस्प यह है कि इन दोनों राज्यों के चुनावी गणित में अब तक भाजपा का कोई खास प्रभाव नहीं रहा है, लेकिन इस बार के चुनाव प्रचार में योजनाबद्ध तरीके से इसने जिस स्तर का दखल दिया, उसमें यह विपक्षी पार्टियों के विरोध का केंद्र बन गई। इस क्रम में आक्रामक चुनाव प्रचार अभियानों का सीधा असर आम लोगों पर पड़ा, जिन्होंने अपने-अपने पक्ष के लिए मतदान में हिस्सेदारी को अपनी जिम्मेदारी माना।

इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि निर्वाचन आयोग ने चुनाव के पहले जिस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का अभियान चलाया और अपात्र मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया चली, उसमें बड़ी संख्या में लोगों के बीच किसी भी स्थिति में सूची में कायम रहने को लेकर फिक्र पैदा हुई।

यही वजह है कि एसआइआर की प्रक्रिया में मृत या विस्थापित हो चुके और अन्य कारणों से अपात्र माने गए लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद जो बचे रहे, उन्होंने इस बार पहले के मुकाबले वोट डालने को लेकर ज्यादा सजगता दिखाई।

दरअसल, इस सूची में मौजूदगी सुनिश्चित होना और मताधिकार का उपयोग करना भविष्य में नागरिक अधिकारों के सुरक्षित होने को लेकर एक आशंका से भी जुड़ा हो सकता है। इसके बावजूद यह कहा जा सकता है कि मतदान के लिए पात्र माने गए लोगों ने अगर भारी संख्या में घरों से निकल कर अपने मतदान के हक का इस्तेमाल किया, तो यह न केवल जनता के बीच व्यापक जागरूकता का संकेत है, बल्कि देश के लोकतंत्र के मजबूत होते जाने का सूचक भी है।

रहस्यमयी सड़क, जहां बंद गाड़ी चढ़ने लगती है पहाड़

जरा हट के

भारत के लद्दाख में ऊंचे पहाड़ों और शांत वादियों के बीच एक ऐसी जगह मौजूद है, जो पहली नजर में ही लोगों को चौंका देती है. Magnetic Hill नाम की यह सड़क देखने में साधारण लगती है, लेकिन यहां होने वाला अनुभव किसी रहस्य से कम नहीं है.

लेह के पास स्थित इस जगह पर एक खास पॉइंट चिन्हित किया गया है. जैसे ही कोई वाहन वहां खड़ा करके इंजन बंद कर दिया जाता है और उसे न्यूट्रल में छोड़ दिया जाता है, कार खुद-ब-खुद चलने लगती है. हैरानी की बात यह है कि गाड़ी नीचे की ओर जाने के बजाय ऊपर की तरफ बढ़ती हुई दिखाई देती है. यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो कोई अदृश्य ताकत उसे खींच रही हो.

स्थानीय लोगों के बीच इस घटना को लेकर कई तरह की कहानियां प्रचलित हैं. कुछ इसे शक्तिशाली चुंबकीय बल मानते

हैं, तो कुछ इसे अलौकिक घटना से जोड़ते हैं. लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार, इसके पीछे कोई जादू नहीं बल्कि एक साधारण कारण छिपा है, इसे Optical Illusion कहा जाता है.

दरअसल, आसपास के पहाड़ों की बनावट और क्षितिज की दिशा ऐसी है कि हमारी आंखों को सड़क ऊपर की ओर जाती हुई दिखाई देती है, जबकि वास्तविकता में वह हल्की ढलान पर नीचे की ओर होती है. यही वजह है कि गुरुत्वाकर्षण के कारण गाड़ी नीचे की ओर लुढ़कती है, लेकिन हमें लगता है कि वह ऊपर चढ़ रही है.

भले ही इसका वैज्ञानिक कारण साफ हो चुका है, लेकिन यहां का अनुभव आज भी लोगों के लिए बेहद रोमांचक है. लेह-कारगिल हाईवे से गुजरने वाले ज्यादातर पर्यटक इस जगह पर रुककर इस अनोखे अनुभव को जरूर आजमाते हैं.

लद्दाख की यात्रा में Magnetic Hill एक ऐसा पड़ाव बन चुका है, जहां हकीकत और भ्रम के बीच का फर्क समझना मुश्किल हो जाता है. अगर आप भी यहां जाने का प्लान बना रहे हैं, तो इस मैजिक सड़क पर अपनी गाड़ी न्यूट्रल में छोड़कर इस अनोखे अनुभव को जरूर महसूस करें. यह पल आपको लंबे समय तक याद रहेगा.

'खरबूजा लस्सी'

अक्सर बच्चे फल खाने में आना-कानी करते हैं और बाहर की अनहेल्दी चीजें खाना पसंद करते हैं, लेकिन अगर आप उन्हें खरबूजे की यह गाढ़ी, मीठी और ठंडी लस्सी बनाकर देंगे, तो वे बिना कोई नखरा किए इसे खुशी-खुशी पी जाएंगे। इसका हल्का नारंगी रंग और क्रीमी स्वाद बच्चों को बहुत आकर्षित करता है।

सामग्री:

- 1 कप कटा हुआ मीठा खरबूजा
- 1 कप ताजा और गाढ़ा दही
- 2-3 चम्मच चीनी या शहद
- चुटकी भर इलायची पाउडर
- बर्फ के कुछ टुकड़े
- सजावट के लिए: बारीक कटे हुए बादाम, पिस्ता और कुछ पुदीने की पत्तियां

बनाने की विधि

सबसे पहले खरबूजे को अच्छी तरह धोकर छील लें और उसके छोटे-छोटे टुकड़े काट लें।

अब एक मिक्सर जार में खरबूजे के टुकड़े, ताजा दही, चीनी और बर्फ के टुकड़े एक साथ डाल दें। सभी चीजों को 1-2 मिनट तक अच्छी तरह से ब्लेंड करें, ताकि खरबूजा पूरी तरह से पिस जाए और लस्सी एकदम क्रीमी और झागदार बन जाए।

अब इसमें चुटकी भर इलायची पाउडर डालें और बस कुछ सेकंड के लिए मिक्सी को एक बार और घुमा लें।

आपकी ठंडी-ठंडी, लाजवाब 'खरबूजा लस्सी' बिल्कुल तैयार है। इसे कांच के गिलासों में निकालें, ऊपर से बारीक कटे हुए मेवे और पुदीने की पत्ती सजाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

इस आसान-सी रेसिपी को आज ही अपने घर पर ट्राई करें। यकीन मानिए, जो भी इस ठंडी लस्सी का एक घूंट पिएगा, वह इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाएगा।

मोटापा बना साइलेंट खतरा

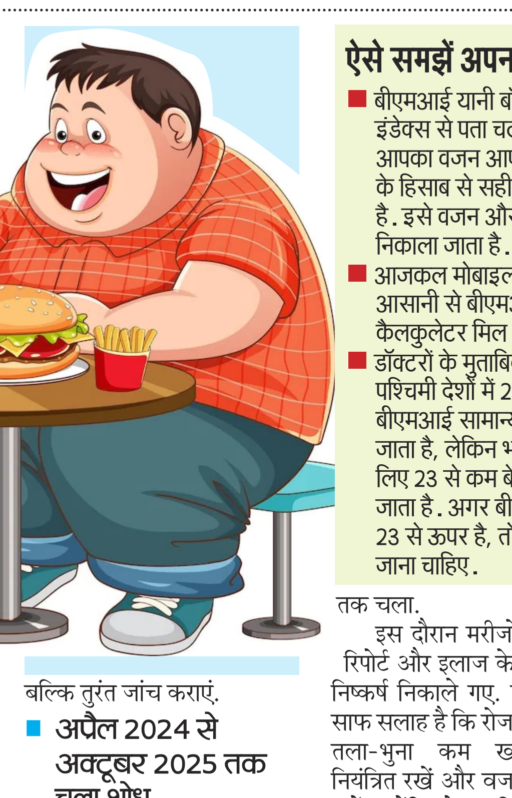

आंखों से दिल तक हमला!

कानपुर मेडिकल कॉलेज की स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

बढ़ता वजन सिर्फ शरीर का आकार नहीं बदलता, यह धीरे-धीरे अंदर से कई अंगों को नुकसान भी पहुंचा सकता है. कानपुर के GSVM Medical College में हुई एक स्टडी ने यही संकेत दिए हैं. यहां मेडिसिन विभाग के सीनियर डॉक्टर एसके गौतम ने 196 मरीजों पर शोध किया, जिसमें सामने आया कि मोटापा आंखों, किडनी, लीवर और दिल पर असर डाल रहा है.

डॉक्टरों के मुताबिक, कई लोग वजन बढ़ने को सामान्य बात मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यही लापरवाही आगे चलकर बड़ी बीमारी की वजह बन सकती है. स्टडी में शामिल ज्यादातर मरीजों का बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई तय मानक से ज्यादा मिला. इसका मतलब था कि शरीर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो चुका था और इसका असर सेहत पर दिखने लगा था.

सबसे ज्यादा असर किडनी और दिल पर मिला

करीब डेढ़ साल तक चली इस रिसर्च में पाया गया कि 37 प्रतिशत मरीजों की किडनी प्रभावित थी. 23.38 प्रतिशत लोगों में आंखों से जुड़ी दिक्कतें शुरू हो चुकी थीं. 55 प्रतिशत मरीज हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे थे, जबकि 40 प्रतिशत मरीजों में दिल से जुड़ी बीमारियों के संकेत मिले. डॉक्टरों का कहना है कि मोटापा शरीर में सूजन, ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाता है. यही वजह है कि धीरे-धीरे दिल, किडनी और आंखों पर असर पड़ने लगता है.

समय रहते संभले तो बचाव संभव

डॉ. गौतम ने बताया कि जिन मरीजों की समय पर जांच हुई, उन्हें शुरुआती स्तर पर इलाज दिया गया. दवाएं, खानपान में बदलाव, वजन कम करने की सलाह और नियमित जांच से काफी मरीजों की हालत में सुधार हुआ. कई मरीज पूरी तरह सामान्य स्थिति में लौट आए. उन्होंने कहा कि अगर वजन तेजी से बढ़ रहा है, थकान रहती है, सांस फूलती है या ब्लड प्रेशर बढ़ा रहता है, तो इसे हल्के में न लें बल्कि तुरंत जांच कराएं.

अप्रैल 2024 से अक्टूबर 2025 तक चला शोध

यह शोध कार्य अप्रैल 2024 में शुरू हुआ था और अक्टूबर 2025 तक चला.

इस दौरान मरीजों की जांच, रिपोर्ट और इलाज के आधार पर निष्कर्ष निकाले गए. डॉक्टरों की साफ सलाह है कि रोज थोड़ा चलें, तला-भुना कम खाएं, मीठा नियंत्रित रखें और वजन को बढ़ने न दें, क्योंकि मोटापा दिखने में भले सामान्य लगे, लेकिन अंदर ही अंदर बड़ा खतरा बन सकता है.

ऐसे समझें अपना BMI

- बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स से पता चलता है कि आपका वजन आपकी लंबाई के हिसाब से सही है या नहीं है. इसे वजन और लंबाई से निकाला जाता है.
- आजकल मोबाइल पर भी आसानी से बीएमआई कैलकुलेटर मिल जाते हैं.
- डॉक्टरों के मुताबिक, पश्चिमी देशों में 25 से कम बीएमआई सामान्य माना जाता है, लेकिन भारतीयों के लिए 23 से कम बेहतर माना जाता है. अगर बीएमआई 23 से ऊपर है, तो सतर्क हो जाना चाहिए.

आज का राशिफल

मेष : दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

वृषभ : प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें।

कर्क : शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। माद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है।

सिंह : आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या : घर-बाहर सहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों समय पर संपन्न होंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

धनु : कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

मकर : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा।

कुंभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे।

मीन : भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हीट स्ट्रोक क्या होता है?

गर्मी में कैसे रहें हेल्दी

हीट स्ट्रोक तब होता है जब शरीर का तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है और शरीर खुद को ठंडा करने की क्षमता खो देता है. यह स्थिति बहुत गंभीर हो सकती है और कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो सकती है.

गाइडलाइन्स

नेशनल हेल्थ मिशन (NHM) ने लोगों से अपील की है कि वे खुद के साथ-साथ अपने परिवार की भी सुरक्षा का ध्यान रखें. सही समय पर बचाव और प्राथमिक उपचार अपनाकर इस समस्या से बचा जा सकता है. NHM ने खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों की देखभाल पर जोर दिया है. उन्हें ज्यादा देर तक धूप में न रहने दें. विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़ी सी सावधानी अपनाकर हीट स्ट्रोक से बचाव किया जा सकता है. इस मौसम में हल्का भोजन करें, ठंडा पानी पिएं और शरीर को ठंडा रखने की कोशिश करें.

बचाव के आसान तरीके

- दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक भारी काम या बाहर निकलने से बचें, क्योंकि यह सबसे गर्म समय होता है.
- दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, भले ही प्यास न लगे.
- कोल्ड ड्रिंक, चाय और कॉफी जैसे पेय पदार्थों से बचें, क्योंकि ये शरीर में पानी की कमी बढ़ा सकते हैं.
- हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनें, क्योंकि गहरे रंग ज्यादा गर्मी सोखते हैं.
- बाहर काम करते समय हर 15-20 मिनट में छांव में आराम जरूर करें.

हीट स्ट्रोक होने पर क्या करें

अगर किसी व्यक्ति में हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखें जैसे चक्कर आना, उल्टी, तेज बुखार, बेहोशी या शरीर का तापमान बहुत बढ़ जाना, तो तुरंत उसे ठंडी और हवादार जगह पर ले जाएं. उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टी रखें या ठंडे पानी से सेक करें, खासकर गर्दन, कलाई और पैरों पर. मरीज को धीरे-धीरे ठंडा पानी पिलाते रहें. जब हालत थोड़ी ठीक हो जाए, तो उसे हल्के और पानी वाले फल या जूस दें.

गर्मी के मौसम में ब्यूटी टिप्स

ब्यूटीशियन ने बताया दमकते चेहरे का सीक्रेट

गर्मियों के मौसम में स्किन का नैचुरल ग्लो खत्म हो जाता है और स्किन से जुड़ी तमाम समस्याएं होने लगती हैं. तेज धूप में सबसे कॉमन समस्या टैनिंग की होती है. वहीं कुछ लोगों को गर्मी के दिनों में चेहरे पर दाने और मुहांसे भी होने लगते हैं. ब्यूटीशियन रूबी खान ने कहा कि गर्मियों में स्किन खुद को हेल्दी रखने और किसी भी जलन या सनबर्न को ठीक करने के लिए कड़ी मेहनत करती है. ऐसे में एक्सफोलिएट करने से मदद मिल सकती है. एक्सफोलिएशन डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है. ऐसा करने के बाद आपकी त्वचा चमकदार दिखती है. ध्यान रखें कि त्वचा को जरूरत से ज्यादा एक्सफोलिएट न करें. हफ्ते में एक बार ऐसा करना ठीक है.

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

बहुत ज्यादा यूवी एक्सपोजर आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है और सनबर्न, झुर्रियां, फाइन लाइन्स और समय से पहले बुढ़ापे के लक्षण दिख सकते हैं. ऐसे में एक ऐसा सनब्लॉक या सनस्क्रीन खरीदें, जिसमें यूवी स्पेक्ट्रम कम से कम एसपीएफ 30 हो. घर से बाहर निकलने से पहले इसे अपनी त्वचा के सभी खुले हिस्सों पर लगाएं. इसके अलावा नाइट क्रीम लगानी चाहिए. इससे स्किन सुबह तक सॉफ्ट बनी रहती है.

मेकअप कम करें

गर्मियों के महीनों में मेकअप कम से कम करें. ऐसा इसलिए क्योंकि आपकी त्वचा को सांस लेने की जरूरत होती है, इसलिए जब मौसम बहुत गर्म हो तो मिनरल-बेस्ड मेकअप लगाने की कोशिश करें क्योंकि ये प्रोडक्ट हल्के होते हैं. अगर आप फाउंडेशन लगाना पसंद करते हैं, तो इसकी जगह एसपीएफ वाला टिंटेड मॉइश्चराइजर लगाएं. इसपर फेस पाउडर लगा सकते हैं.

कूलिंग मिस्ट लगाएं

गर्मी और उमस भरी गर्मी के दिनों में चेहरे के लिए कूलिंग मिस्ट कमाल का काम करता है. यह सनबर्न और सूजन को शांत करने में मदद करता है और आपकी त्वचा को फ्रेश और चमकदार बनाता है. गर्मी में इसका इस्तेमाल करें.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

डबल मर्डर - पति ने पत्नी-सास की गला रेतकर की हत्या, ससुर-बेटे पर भी चाकू से वार

बलिया. बलिया में सनसनीखेज डबल मर्डर की वारदात सामने आई है। नगरा थाना क्षेत्र के बछईपुर गांव में एक युवक ने सास और पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। आरोपी ने ससुर तथा अपने तीन साल के बेटे को हमला कर घायल कर दिया। घायल ससुर को वाराणसी रेफर किया गया है। नगरा थाना क्षेत्र के बछईपुर निवासी 55 वर्षीय अंतू गुप्ता ने अपनी बेटी 22 वर्षीय प्रीति की शादी कुछ साल पहले गड़वार थाना क्षेत्र के सिंहाचवर निवासी अमित गुप्ता से की थी। ससुराल में विवाद होने के चलते प्रीति कुछ महीनों से तीन साल के पुत्र के साथ मयके में रह रही थी। ससुराल पहुंचा अमित पड़ोसी के दीवार के सहारे छत के रास्ते घर के अंदर पहुंचा तथा पत्नी, सास 50 वर्षीय सुशीला, ससुर अंतू और अपने पुत्र अवि पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में अवि को छोड़कर तीनों गंभीर रुप से घायल हो गए। सभी को रात तीन बजे जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां के डाक्टरों ने प्रीति और सुशीला को मृत घोषित कर दिया। अंतू को वाराणसी रेफर कर दिया।

चार लड़कों ने नाबालिग संग किया रेप

अलीगढ़. उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के खैर कस्बे में शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। चार युवकों ने चौदह वर्षीय किशोरी के साथ बारी बारी दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। किशोरी को बेहोश देख युवक खंडहर नुमा मकान में छोडकर भाग गए। खैर के एक मोहल्ला में किराये के मकान की दूसरी मंजिल पर चौदह वर्षीय किशोरी अपने परिजनों के साथ रहती है। मकान के बराबर ही एक खंडहर मकान है। किशोरी 24 अप्रैल की रात्रि दस बजे घर से अचानक लापता हो गई। जानकारी पर परिजनों ने किशोरी के तलाश किया किन्तु कोई सुराग नही मिला। किशोरी के न मिलने पर परिजन परिचित संग्रामपुर निवासी युवक के घर पहुंचे तो युवक ने बताया कि हो सकता है किशोरी बराबर में स्थित खंडहर मकान में हो। आकर देखा तो किशोरी खंडहर मकान में बेहोशी की हालत में थी।

घर के बाहर सोई महिला को तेंदुए ने बनाया निवाला गांव वालों ने वन विभाग की टीम को खदेड़ा

लखीमपुर. यूपी के लखीमपुर स्थित दुधवा टाइगर रिंजर्व के बेलरायां वन रेंज के सहिजना गांव में शनिवार आधी रात को घर के बाहर सो रही एक महिला पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुए ने महिला को निवाला बना लिया। तेंदुआ महिला को खींचकर ले जा रहा था। इसपर गांव वालों के शोर मचाने और पीछा करने पर तेंदुआ उसका शव छोड़कर भाग निकला। इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया। घटना की जानकारी वन विभाग की टीम को भी दी गई। वन विभाग की टीम से गांव वालों की झड़प हो गई।

बताया जा रहा है कि वन विभाग की टीम को गांव वालों ने खदेड़ दिया और महिला का शव देने से इनकार कर दिया। बाद में पुलिस फोर्स के पहुंचने पर गांव वालों और वन विभाग के बीच वार्ता हुई। सुबह के 4 बजे महिला का शव कब्जे में लिया जा सका। मामले में मिली जानकारी के अनुसार गांव निवासी माता प्रसाद मौर्य की पत्नी 30 वर्षीय पत्नी संध्या देवी बिजली न होने के कारण घर के बाहर मच्छरदानी में सो रही थीं। इसी दौरान आधी रात करीब 12 बजे तेंदुआ ने उस पर हमला कर दिया। वह संध्या की गर्दन पकड़कर घसीट ले गया। महिला की चीखें सुनकर गांव वाले पीछे दौड़े और शोर मचाया तो तेंदुआ उसे 50 मीटर दूर खाली पड़े स्थान पर छोड़ कर चला गया।

वॉशिंगटन में डिनर के दौरान फायरिंग

- ट्रम्प को सुरक्षित निकाला
- चश्मदीद बोले- 7 राउंड फायरिंग हुई,
- गेस्ट टेबल के नीचे छिपे; हमलावर पकड़ाया

वॉशिंगटन डीसी. अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बडे. अफसर मौजूद थे। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हमलावर ने होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। पहले खबर आई थी कि हमलावर को मार गिराया गया।

हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी।

डिनर के दौरान फायरिंग करने वाला शख्स कौन

BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर की पहचान 31 साल के कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। पब्लिक रिकॉर्ड्स के अनुसार, एलन पार्ट-टाइम टीचर और वीडियो गेम डेवलपर था। उसकी प्रोफाइल के मुताबिक, वह दिसंबर 2024 में 'टीचर ऑफ द मंथ' चुना गया था। उसने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनोलॉजी से 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी डोमिंगुएज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स डिग्री हासिल की थी।

जहां कार्यक्रम, उसी होटल में ठहरा था हमलावर

पुलिस विभाग के अंतरिम चीफ जेफरी कैरोल के मुताबिक, हमलावर उसी होटल में मेहमान था, जहां व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट का डिनर कार्यक्रम हो रहा था। जिस कमरे में वह ठहरा था, पुलिस उसकी भी जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। वॉशिंगटन डीसी की मेयर ने बताया कि हमलावर का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अमेरिकी अटॉर्नी ने बताया कि हमलावर पर दो आरोप लगे हैं। पहला, हिंसक अपराध के दौरान हथियार इस्तेमाल करना। दूसरा, खतरनाक हथियार से फेडरल अधिकारियों पर हमला करना। हमलावर को सोमवार को फेडरल अदालत में पेश किया जाएगा।

अमेरिकी अधिकारियों का पाकिस्तान दौरा रद्द

- ईरान से दूसरी बार मीटिंग टली
- ट्रम्प बोले- प्लेन में 18 घंटे बैठकर बेकार की बातें करने नहीं जाना

वॉशिंगटन डीसी. अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित सीजफायर वार्ता ठप पड़ गई है क्योंकि ईरान से बातचीत के लिए पाकिस्तान जाने वाले अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रम्प के दामाद जारेड कुशनर का दौरा रद्द हो गया है। यह दूसरी बार है जब दोनों देशों की मीटिंग टली। इससे पहले ईरान ने शांति वार्ता न करने का ऐलान किया था। उनका कहना था कि पहले अमेरिका अपनी होर्मुज स्ट्रेट से नाकेबंदी हटाए तब ही हम बातचीत के लिए इस्लामाबाद आएंगे।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने अपने दूतों को पाकिस्तान न जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने लिखा, यात्रा में बहुत समय लगता है। 18 घंटे समय बर्बाद कर बेकार की बातें करने नहीं जाना। अगर ईरान बात करना चाहता है तो उन्हें बस एक फोन करना है।

ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ईरान के साथ फिर से जंग शुरू करेगा। इस बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।

दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी शनिवार को अमेरिकी अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही पाकिस्तान से रवाना हो गए। उन्होंने PAK पीएम और आर्मी चीफ से मुलाकात कर ईरान की शर्तें और अमेरिकी मांगों पर अपनी आपत्तियां भी सौंपी।

'TMC का घमंड टूटा, भाजपा की जीत तय'

- ममता सरकार में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं
- छोटे-छोटे नेता खुद को सरकार समझते हैं

कोलकाता. PM नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव में रैली की। उन्होंने कहा, 'पहले फेज के मतदान में TMC का घमंड टूट चुका है। दूसरे चरण में भाजपा की जीत तय होती दिख रही है। PM ने आरोप लगाया कि TMC शासन में छोटे-छोटे नेता और गुंडे खुद को सरकार समझने लगे हैं।' PM ने कहा, '15 साल पहले TMC 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, आज वे इन शब्दों को बोल भी नहीं पाते। अगर ये लोग ये शब्द बोलेंगे, तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। TMC के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है।'

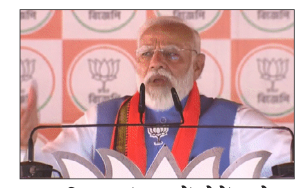

पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की वोटिंग 29 अप्रैल को होगी। PM मोदी बनगांव के बाद आज आरामबाग में जनसभा करेंगे। इसके बाद शाम 5:30 बजे कोलकाता में उनका रोड शो है। पीएम मतुआ समुदाय से जुड़े मंदिर भी जाएंगे। ये मंदिर संप्रदाय के संस्थापकों- हरि चंद और गुरु चंद ठाकुर का पवित्र स्थल है। रविवार को भाजपा सांसद रवि किशन ने हावड़ा में बीजेपी कैंडीडेट उमेश राय के समर्थन में रोड शो निकाला। इस दौरान कुछ टीमएसी समर्थक रोड शो में घुस गए। भाजपा समर्थकों से बहस हुई, हालांकि रवि किशन ने गाड़ी से एनाउंस किया कि कोई भी लड़ाई नहीं करेगा। सब लोग आगे बढ़ें।

'बंगाल में लोकतंत्र नहीं'

- कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या पर भड़के राहुल

कोलकाता. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा पार्टी कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या कर दिए जाने की रविवार को कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी इस राजनीति के आगे नहीं झुकेगी, जो भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करती है। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान आसनसोल में चटर्जी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पार्टी का दावा है कि चटर्जी आसनसोल उत्तर से कांग्रेस प्रत्याशी प्रसेनजीत पुइतांडी के घनिष्ठ सहयोगी थे। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल यूनिट ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने चटर्जी की जमकर पिटाई की, जिसके कुछ ही समय बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

भागवत बोले- भारत विश्वगुरु जरूर बनेगा, कोई संदेह नहीं

- राम मंदिर बनने को लेकर भी लोग शक करते थे
- वैसे ही यह लक्ष्य भी अब तय है

नागपुर. राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे।

लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही।

इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा और धीरेन्द्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

भारत के भविष्य पर संदेह न करें- भागवत

RSS चीफ ने कहा- देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीएं। उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के अनुसार कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और नैतिक रूप से सशक्त बनेगा।
उन्होंने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है।
उन्होंने कहा- भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जीएं और इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत होगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बन गया। उसी प्रकार भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है।

गिरफ्तारी से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पवन खेड़ा

गुवाहाटी. गुवाहाटी हाई कोर्ट द्वारा एंटीसिपेटरी बेल की याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। वह असम के मुख्यमंत्री हिमंत की पत्नी द्वारा एफआईआर मामले में एंटीसिपेटरी बेल के लिए शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। गौरतलब है कि पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि हिमंत की पत्नी रिंकी भुइयां के पास तीन देशों का पासपोर्ट होने का आरोप लगाया था। इसके बाद हिमंत बिस्वा सरमा ने काफी आक्रामक जवाब दिया था। इससे पहले गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद कांग्रेस की प्रतिक्रिया आई थी। शनिवार को पार्टी की तरफ से कहा गया कि वह अपने मीडिया विभाग के प्रमुख के साथ खड़ी है।

लंदन में नीलाम होगा शाही परिवार का 'सुपरकंप्यूटर'

- 25 करोड़ रुपए तक लग सकती है बोली

जयपुर. जयपुर के शाही संग्रह की सबसे बेशकीमती वैज्ञानिक विरासतों में से एक 17वीं शताब्दी का एक विशाल 'एस्ट्रोलेब' (खगोलीय गणना यंत्र) आगामी 29 अप्रैल को लंदन के सोथबी नीलामी घर में वैश्विक बोली के लिए तैयार है। पीतल से बने इस अद्भुत यंत्र को विशेषज्ञ अपनी बहुमुखी क्षमताओं के कारण उस दौर का 'सुपरकंप्यूटर' और 'प्राचीन स्मार्टफोन' करार दे रहे हैं। सोथबी के 'इस्लामिक एंड इंडियन आर्ट' विभाग के प्रमुख बेनेडिक्ट कार्टर ने इस यंत्र को अब तक का सबसे विशाल और दुर्लभ खगोलीय उपकरण बताया है। इसकी ऐतिहासिक जड़ें जयपुर के पूर्व महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय के निजी संग्रह से जुड़ी हैं। महाराजा के निधन के बाद यह उनकी पत्नी और विश्वप्रसिद्ध महारानी गायत्री देवी के पास रहा, जहां से यह कालांतर में एक निजी संग्रह का हिस्सा बन गया। अब पहली बार इसे सार्वजनिक मंच पर प्रदर्शित और नीलाम किया जा रहा है।

- टूट सकता है वर्ल्ड रिकॉर्ड

तकनीकी और वैज्ञानिक दृष्टि से यह यंत्र अपने समय की कला का शिखर है। इसका वजन 8.2 किलोग्राम और ऊंचाई लगभग 46 सेंटीमीटर है, जो सामान्य एस्ट्रोलेब की तुलना में चार गुना बड़ा है। इसकी दुर्लभता और शाही जुड़ाव को देखते हुए, विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह 1.5 से 2.5 मिलियन पाउंड (लगभग 15 से 25 करोड़ रुपए) के बीच बिक सकता है, जो खगोलीय यंत्रों की नीलामी के पिछले सभी विश्व रिकॉर्ड तोड़ सकता है। इस यंत्र की सबसे बड़ी खूबी इसका 'ऑल-इन-वन' गैजेट होना है। ऑक्सफोर्ड की इतिहासकार डॉ. फेडेरिका गिगेंटे के अनुसार, इसके जरिए 17वीं सदी में खगोलशास्त्री सूर्योदय-सूर्यास्त का समय, तारों की सटीक स्थिति, किसी कुएं की गहराई और इमारतों की ऊंचाई माप सकते थे। इसके अलावा, इसका उपयोग मक्का की दिशा निर्धारित करने और पंचांग की सहायता से सटीक कुंडलियां तैयार करने के लिए भी किया जाता था।

विज्ञान और संस्कृति का समन्वय

सांस्कृतिक रूप से यह यंत्र मुगलकालीन भारत की मिली-जुली विरासत का जीवंत प्रमाण है। इसे 17वीं सदी की शुरुआत में लाहौर (अब पाकिस्तान) के मशहूर 'लाहौर स्कूल' के दो भाइयों कायम मुहम्मद और मुहम्मद मुकीम ने बनाया था। इस यंत्र पर तारों के नाम फारसी में अंकित हैं, जिनके ठीक बगल में उनके संस्कृत समकक्ष नाम देवनागरी लिपि में उकेरे गए हैं। यह उस दौर में विज्ञान और संस्कृति के अद्भुत समन्वय को दर्शाता है।

किसानों को 9 हजार सालाना

कोलकाता. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए अहम घोषणाएं की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि बंगाल में भाजपा की सरकार बनी तो केंद्र की पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये सालाना कर दिया जाएगा। बनगांव में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी अभियान के तहत बंगाल की 75 लाख बहनों को भाजपा सरकार मदद करेगी, ताकि वे लखपति दीदी बन सकें और हर साल एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर सकें। पीएम मोदी ने आगे कहा कि बंगाल की बेटियां अपने मन के अनुसार रोजगार शुरू कर सकें, इसके लिए उन्हें 20 लाख रुपये तक का मुद्रा लोन उपलब्ध कराया जाएगा।

सूर्यवंशी के शतक के बावजूद राजस्थान हारा

- हैदराबाद 5 विकेट से जीता
- अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की फिफ्टी

15 साल के वैभव सूर्यवंशी के शतक के बावजूद राजस्थान रॉयल्स को हार का सामना करना पड़ा। IPL 2026 के 36वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 228 रन बनाए।

229 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही हैदराबाद ने 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। ईशान किशन ने 74 और अभिषेक शर्मा ने 57 रन की तेज पारियां खेलीं। नीतीश कुमार रेड्डी ने 36 और हेनरिक क्लासन ने 29 रन का योगदान दिया। राजस्थान से जोफ्रा आर्चर और ब्रजेश शर्मा ने 2-2 विकेट लिए।

इससे पहले राजस्थान के लिए वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों पर 103 रन बनाए। उन्होंने 36 गेंदों में अपना दूसरा IPL शतक पूरा किया। वैभव ने 12 छक्के और 5 चौके भी लगाए। वहीं ध्रुव जुरेल ने 51 रन और डोनोवन फरेरा ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए।

हैदराबाद की ओर से ईशान मलिंगा ने 2 विकेट लिए, जबकि पैट कमिंस, नीतीश रेड्डी, साकिब हुसैन और प्रफुल्ल हिंगे को 1-1 सफलता मिली।

रूस की जंग में भारत के 10 बेटों की मौत, 25 की उम्र में विधवा हुईं पत्नियां

- सरकार बोली- मर्जी से गए थे

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में याचिकाओं की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने बड़ा खुलासा किया। सरकार ने बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना की ओर से लड़ते हुए 10 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है। याचिका में इनमें से ज्यादातर लोगों को नौकरी का झांसा देकर रूस ले जाने और फिर जबरन युद्ध में धकेलने का आरोप लगाया गया था, लेकिन सरकार ने कोर्ट को बताया कि इनमें से अधिकांश ने अपनी मर्जी से गए थे। मारे गए लोगों में ज्यादातर युवा हैं और भारत में उनकी 25-26 वर्षीय पत्नी विधवा हो गई हैं।

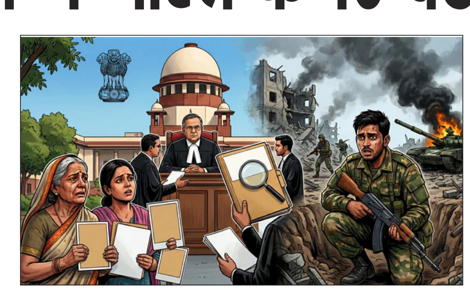

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में फंसे कई भारतीय नागरिकों ने अपनी मर्जी यानी स्वेच्छा से ऐसे कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए थे, जिसके चलते वे इस संघर्ष के बीच पहुंच गए। विदेश मंत्रालय ने यह जवाब उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया, जो रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे 26 भारतीय पुरुषों के परिवारों द्वारा दायर की गई थीं। याचिकाओं में फंसे हुए लोगों की सुरक्षित वापसी और मारे गए लोगों के पार्थिव शरीर भारत लाने की गुहार लगाई गई है। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले की सुनवाई हुई।

केंद्र सरकार (विदेश मंत्रालय) का पक्ष

- एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) ऐश्वर्या भाटी ने सरकार का पक्ष रखते हुए कोर्ट को कई जानकारी दीं। उन्होंने बताया कि 26 में से 10 भारतीयों की मौत हो चुकी है। एक व्यक्ति पर आपराधिक मामला दर्ज है, जबकि एक अन्य व्यक्ति जानबूझकर वहीं रुका हुआ है। ASG ने बताया कि ये लोग अपनी मर्जी से कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं और कुछ एजेंट/बिचौलिए उन्हें ऐसा करने के लिए उकसा रहे हैं।
- सरकार ने बताया कि प्रशासन एक बहुआयामी रणनीति पर काम कर रहा है और लोगों को ऐसे किसी भी कॉन्ट्रैक्ट को स्वीकार न करने की सलाह दे रहा है। अधिकारी सभी 26 परिवारों के संपर्क में हैं और लापता लोगों की स्थिति व ठिकाने का पता लगाने के साथ-साथ पार्थिव शरीरों को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली-टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन फेल

- 6 घायल, 4 नवजात समेत 232 लोग सवार थे
- फ्लाइट ज्यूरिख जा रही थी

नई दिल्ली. दिल्ली एयरपोर्ट में टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन फेल हो गया। स्विस एयरलाइंस की LX147 फ्लाइट शनिवार देर रात 1:08 बजे टेकऑफ करने वाली थी। तभी उसका एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद पायलट ने तुरंत विमान रोक दिया।

अधिकारियों ने बताया कि रनवे पर इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करके सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। 6 यात्री घायल हो गए। फ्लाइट स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख जाने वाली थी।

एयरलाइन बोली- टेकऑफ के वक्त लैंडिंग गियर में धुआं दिखा

SWISS एयरलाइन ने एक बयान में कहा, हमें दिल्ली में फ्लाइट LX147 से जुड़ी घटना के बारे में जानकारी मिली है। जिस विमान में खराबी आई, वह एयरबस A330 है। घटना भारतीय समय के अनुसार रात 1 बजे के बाद की है। जैसे ही विमान टेकऑफ करने के लिए रनवे में आया। विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर से धुआं निकलता देखा गया।

मोदी बोले- जनगणना दुनिया का सबसे बड़ा अभियान

- मन की बात का 133वां एपिसोड
- अब तक 1 करोड़ 20 लाख घरों की लिस्टिंग हुई

नई दिल्ली. पीएम मोदी ने रविवार को प्रसारित 'मन की बात' के 133वें एपिसोड में जनगणना का जिक्र किया। पीएम ने कहा- हमारे देश में इस समय एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है।

ये है जनगणना का अभियान, यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव, अलग होने वाला है।

पीएम ने कहा- जिन राज्यों में स्व-गणना का काम पूरा हो गया है, वहां घरों की लिस्टिंग का काम जारी है। अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों के मकान की लिस्टिंग का काम पूरा भी हो चुका है।

जनगणना में आपकी भागीदारी आसान बनाई गई है: आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले आपके लिए सुविधा शुरू होगी। आप अपने समय के अनुसार जानकारी भर सकते हैं। जब आप प्रक्रिया पूरी करते हैं, तो आपको एक विशेष आईडी मिलती है। ये आईडी आपके मोबाइल या ईमेल पर आती है। बाद में जब कर्मचारी आपके घर आता है, तो आप यही आईडी दिखाकर जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं। इससे दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ती।

बुद्ध का संदेश आज भी अहमः आज भी मई महीने की शुरुआत एक पावन अवसर के साथ होने जा रही है। कुछ ही दिनों में हम बुद्ध पूर्णिमा मनाएंगे। मैं आप सभी देशवासियों को अपनी अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। भगवान गौतम बुद्ध का जीवन संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने हमें सिखाया है कि शांति हमारे भीतर से शुरु होती है, उन्होंने बताया है कि स्वयं पर विजय सबसे बड़ी विजय होती है।

पर्यावरण संरक्षण के बड़े सुंदर प्रतीकः कच्छ के रण में बरसात खत्म होते ही यहां की धरती जीवंत हो जाती है। हर साल लाखों फ्लेमिंगो यहां आते हैं। पूरा इलाका गुलाबी रंग से रंग जाता है, इसलिए इसे 'Flamingo City' कहा जाता है। ये पक्षी यहीं घोसलें बनाते हैं और अपने बच्चों को बड़ा करते हैं। कच्छ के लोग इन्हें 'लाखा जी के बाराती' कहते हैं। अब लाखा जी के ये बाराती कच्छ में पर्यावरण संरक्षण के बड़े सुंदर प्रतीक बन गए हैं।

संक्षेप...

बुजुर्ग की हत्या के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

मुंबई. क्राइम ब्रांच ने 78 साल के मोहम्मद इकबाल इब्राहिम सेलिया की बेरहमी से हत्या की गुत्थी सुलझा ली है, जिनकी 20 अप्रैल को नागपाड़ा में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी, और नागपुर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने मुखबिर से लिंक होने का शक कबूल किया. पूछताछ के दौरान, आरोपी सादिक आकिब जवार, 29, ने कथित तौर पर कबूल किया कि उसे शक था कि पीड़ित पुलिस का मुखबिर था. नागपुर से दो गिरफ्तार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जवार और उसके साथी नौशाद यूसुफ मिठानी, 25, के रूप में हुई है।

मराठी भाषा लेकर जोर जबरदस्ती बर्दाश्त नहीं

- नाशिक में महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस की वॉर्निंग

मुंबई. गैर-मराठी ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान आया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि ड्राइवरों को मराठी आनी चाहिए, लेकिन भाषा को लेकर किसी के साथ जोर-जबरदस्ती करना ठीक नहीं है। ऐसी कोशिश सरकार बर्दाश्त भी नहीं करेगी। उन्होंने आगे कहा, जिन ऑटो-टैक्सी चालकों को मराठी नहीं आती, उन्हें सिखाया जाना चाहिए।

शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के नेता और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा था कि ऑटो-टैक्सी और ऐप आधारित सेवाओं (ओला, उबर, ई बाइक टैक्सी) से जुड़े गैर-मराठी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा था कि 1 मई से इनकी परीक्षा ली जाएगी और भाषा की जानकारी न रखने वालों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे।

इस फैसले के विरोधी और समर्थक अब आमने-सामने आ गए है। सरकार में शामिल शिंदे सेना के नेता व पूर्व सांसद संजय निरुपम अपनी ही सरकार के विरोध में खड़े

है। उन्होंने परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर नाराज़गी जताई है। इस संबंध में अगले सप्ताह परिवहन मंत्री ने बैठक बुलाई है।

निरुपम ने शुक्रवार को दहिसर के गणपत पाटील नगर में ऑटो टैक्सी चालकों से मुलाकात की थी और उनकी बात सरकार के सामने रखने का आश्वासन दिया था।

हालांकि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवसेना निर्माण ने इस मामले में संजय निरुपम के खिलाफ प्रदर्शन भी किया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। आखिरकार पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा था और जैसे-तैसे इस स्थिति को संभाला था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में पत्रकारों से कहा कि महाराष्ट्र या मुंबई में मराठी को प्राथमिकता देना गलत बात नहीं है। जिन ऑटो टैक्सी चालकों को मराठी नहीं आती, उन्हें सिखाएंगे। लेकिन मराठी के नाम पर किसी से साथ जोर-जबरदस्ती करना ठीक नहीं है। ऐसा हमारी सरकार होने भी नहीं देगी।

शिवाजी महाराज पर लिखी किताब पर विवाद

वहीं देवेंद्र फडणवीस ने यह भी कहा कि शिवाजी महाराज पर लिखी पुस्तक के प्रकाशक के खिलाफ शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ की इस्तेमाल की गई भाषा स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मराठा शासक का सभी लोग सम्मान करते हैं। गायकवाड़ ने छत्रपति शिवाजी महाराज को मराठी पुस्तक में उनके पहले नाम से संबोधित किए जाने पर आपत्ति जताते हुए कोल्हापुर स्थित प्रकाशक प्रशांत अम्बी को फोन पर धमकी दी जिससे विवाद खड़ा हो गया। यह पुस्तक मूल रूप से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी नेता दिवंगत गोविंद पानसरे ने लिखी थी और 1988 में प्रकाशित हुई थी। फडणवीस ने त्र्यम्बेकश्वर में कहा कि 40 साल पहले प्रकाशित पुस्तक पर विवाद उठाना खड़ा करना नहीं है। इस तरह की आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग भी स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि (उपमुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष) एकनाथ शिंदे इस मामले में गायकवाड़ को उचित निर्देश देंगे। प्रकाशक ने आरोप लगाया था कि गायकवाड़ ने पुस्तक 'शिवाजी कौन होता' (शिवाजी कौन थे) को लेकर जान से मारने की धमकी दी और अपशब्दों का प्रयोग किया।

रायगढ़ से 933 एक्स्टसी गोलियां बरामद, 11 गिरफ्तार

मुंबई. नेस्को ड्रग मामले की जांच में वनराई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने बुधवार को रायगढ़ के पोलादपुर इलाके से 933 एक्स्टसी गोलियां बरामद कीं, जिनका कुल वजन 434 ग्राम बताया गया है और इनकी अनुमानित कीमत लगभग 15.39 लाख रुपये आंकी गई है। यह बरामदगी उस समय हुई जब आरोपी आयुष साहित्य ने पूछताछ में यह स्वीकार किया कि गिरफ्तारी के डर से उसने ये ड्रग्स फेंक दिए थे। उसने कथित तौर पर ड्रग्स को ठिकाने लगाने की कोशिश की। इसी बयान के आधार पर पुलिस उसे पोलादपुर लेकर गई, जहां से एक्स्टसी की खेप बरामद की गई और उसे जब्त कर लिया गया।

ठाणेकर असली हापुस आम का स्वाद चखेंगे

- विधायक संजय केलकर द्वारा 19वां आम महोत्सव 1 मई से

ठाणे. कोंकण के किसानों द्वारा मुश्किल हालात में उगाया गया असली हापुस आम एक बार फिर ठाणेकर के लिए उपलब्ध हो गया है। संस्कार और कोंकण विकास प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित 19वां आम महोत्सव 1 से 10 मई तक गावदेवी मैदान में आयोजित किया गया, यह जानकारी ऑर्गनाइज़र और विधायक संजय केलकर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।आम महोत्सव में किसानों और ग्राहकों के बीच सीधी मुलाकात होगी, इसलिए ठाणेकर को सही कीमत पर असली हापुस आम का स्वाद चखने को मिलेगा। कोंकण के असली हापुस, पायरी, रत्ना, केसर आमों के साथ-साथ फेस्टिवल में आम-फनास पोली, शर्बत, काजू,

मालवणी मसाले, पापड़, पोहा, वगैरह जैसे अलग-अलग क्वालिटी के कोंकणी प्रोडक्ट्स के 45 स्टॉल लगाए जाएंगे।पिछले कुछ सालों में खराब मौसम की वजह से आम का प्रोडक्शन कम हो रहा है। कोंकण में कुल एक लाख 80 हज़ार हेक्टेयर ज़मीन पर आम की खेती होती है। 2023 में, कोंकण में आम की पैदावार दो लाख 56 हज़ार मीट्रिक टन थी। इसमें से 198 करोड़ रुपये के आम मुंबई और पूरे भारत में बिके और 79 करोड़ रुपये के आम एक्सपोर्ट किए गए। यह इनकम हर साल कम होती गई और 2024 में यह एक लाख 28 हज़ार मीट्रिक टन थी और 126 करोड़ रुपये के आम बिके और 54 करोड़ रुपये के आम एक्सपोर्ट किए गए। 2025 में, प्रोडक्शन एक लाख 10 हज़ार मीट्रिक टन था और देश भर में 100 करोड़ रुपये के आम बिके और 45 करोड़ रुपये के आम एक्सपोर्ट किए गए।इस साल बेमौसम बारिश और बादल छाए रहने की वजह से कुछ जगहों पर फूल जल गए और कुछ जगहों पर फल गिर गए और थ्रिप्स बीमारी और टिड्डी कीड़े के प्रकोप की वजह से आम की सिर्फ़ पंद्रह परसेंट फ़सल ही काटी गई है। इसलिए, पिछले 11 सालों से कोंकण में किसान लगातार पैसे की तंगी में हैं। इसलिए विधायक संजय केलकर ने भरोसा जताया कि कोई समझदार थानेकर इस पूरी स्थिति पर हमदर्दी से विचार करेगा और आम महोत्सव के दौरान ज़्यादा से ज़्यादा आम खरीदकर कोंकण के किसानों का साथ देगा।संस्कार सेवाभाई संस्था के अध्यक्ष विधायक संजय केलकर के साथ विधायक निरंजन डावखरे, पूर्व उपमहापौर सुभाष काले, अशोक भोईर, नगरसेवक सीताराम राणे, भरत चव्हाण, विकास पाटिल, कोंकण विकास प्रतिष्ठान के राजेंद्र तावड़े, संस्कार संस्था के महेश विनेरकर, संतोष सालुंखे, कैलास म्हात्रे, ओमकार चव्हाण वगैरह प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे।

बीएमसी जूनियर इंजीनियर रिश्वत लेते गिरफ्तार

मुंबई. भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के एक जूनियर इंजीनियर को 2.5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी ने 24 अप्रैल को यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान विशाल भावसार वाणी के रूप में हुई है, जो बीएमसी के स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स विभाग में तैनात था।

आरोप है कि वाणी ने एक निर्माण स्थल को आवश्यक मंजूरी दिलाने, खासकर ड्रेनेज क्लियरेंस देने के एवज में कुल 10 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। बाद में उसने पहली किश्त के रूप में 2.5 लाख रुपए लेने पर सहमति जताई। मामले में शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार करते हुए 22 अप्रैल को एसीबी से संपर्क किया। इसके बाद एसीबी ने योजना बनाकर ट्रैप बिछाया।

कल्याण में बनेगा देश की पहली महिला डॉक्टर आनंदीबाई जोशी का स्मारक

कल्याण. कल्याण शहर के लिए गर्व की बात बनने जा रहे देश की पहली महिला डॉक्टर आनंदीबाई गोपाल जोशी के स्मारक के निर्माण को आखिरकार शुभ मुहूर्त मिल गया है। कल्याण के वसंत वैली क्षेत्र स्थित यूनिवर्सिटी उपकेंद्र में इस स्मारक का भूमिपूजन समारोह उत्साह के साथ संपन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय महिला समन्वय की संरक्षिका गीता गुंडे के हाथों इस परियोजना का शुभारंभ किया गया। इस स्मारक के माध्यम से आनंदीबाई जोशी के प्रेरणादायी जीवन कार्य से नागरिकों को विस्तृत रूप से परिचित कराया जाएगा।

बीजेपी के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने कहा कि इस स्मारक के जरिए केवल इतिहास को संजोने का ही प्रयास नहीं किया जा रहा है,

बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देने का उद्देश्य रखा गया है। इसके लिए स्मारक परिसर में महिलाओं के लिए अत्याधुनिक जिम सेंटर बनाया जाएगा, जिससे उनके स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये का फंड मंजूर किया गया है। भविष्य में यह स्मारक कल्याण शहर का एक प्रमुख आकर्षण बनने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस स्मारक से शहर की पहचान और समृद्ध होगी तथा महिला सशक्तिकरण का एक नया अध्याय शुरू होने की भावना व्यक्त की गई। भूमिपूजन समारोह में प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, महापौर हर्षाली थविल, उपमहापौर राहुल दामले, आयुक्त अभिनव गोयल वरुण पाटील, शालिनी वायले, जयवंत भोईर, प्रभुनाथ भोईर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज का शक्ति पीठ सभी के लिए प्रेरणा है : रितेश देशमुख

भिवंडी. मैंने छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर के शक्ति पीठ के महत्व के बारे में बहुत सुना था. इसीलिए मैं आज यहां दर्शन करने आया हूं. शानदार मंदिर की कलाकृति ने महाराजा के पूरे इतिहास को सबके सामने पेश किया है.

उक्त उद्गार मराठी और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर रितेश देशमुख ने मीडिया टीम से व्यक्त किया. रितेश देशमुख की शानदार मराठी फिल्म जय शिवाजी 1 मई को महाराष्ट्र में रिलीज हो रही है. इस मौके पर रितेश देशमुख और एक्ट्रेस जेनेलिया देशमुख शनिवार शाम को भिवंडी तालुका के मराडे पाडा में शिवक्रांति प्रतिष्ठान के शक्ति पीठ पर महाराज के दर्शन करने आए थे.

वे शिवक्रांति प्रतिष्ठान के फाउंडर राजूभाऊ चौधरी को महाराज के लिए प्यार और भक्ति से इतना बड़ा मंदिर बनाने के लिए बधाई देते हुए कहा कि वे आज इस शक्ति पीठ पर आए हैं और आगे भी आते रहेंगे.

विधायक संजय गायकवाड़ और धीरेंद्र शास्त्री महाराज के छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में दिए गए आपत्तिजनक बयानों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने साफ किया कि महाराज के बारे में कोई भी अपशब्द इस्तेमाल करने वाले को कोई भी बर्दाश्त नहीं करेगा.

-**रितेश देशमुख,** अभिनेता

व्यक्ति ने परिवार के 3 सदस्यों को चाकू घोंपा

ठाणे. ठाणे शहर में एक घर में जन्मदिन के जश्न के बाद टीवी देखने को लेकर हुए झगड़े में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी, बेटी और पोती पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना शहर के राबोडी इलाके में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को हुई। राबोडी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, 'आरोपी मोहम्मद तारिक खान और उसकी पत्नी के बीच अक्सर घर के छोटे-मोटे मुद्दों को लेकर झगड़ा होता रहता था।

पानी चोरी कर औद्योगिक एरिया भूमि वर्ड में RO मशीन से हो रही थी विक्री

भिवंडी. गर्मी में पानी की बढ़ती किल्लत के मद्देनजर आयुक्त अनमोल सागर ने पानी सप्लाई व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने सहित पानी चोरों पर सख्त एक्शन के निर्देश जलापूर्ति विभाग को दिए हैं.मनपा आयुक्त के आदेशानुसार,भिवंडी मनपा जलापूर्ति विभाग कार्यकारी अभियंता की टीम पानी चोरों पर शिकंजा कसने में जुटी है.टेमघर स्थित वाटर प्लांट के पास से अवैध रूप से स्टेम वाटर की जल वाहिनी को काटकर 1सेमी की 3 रबर की पाइप झाड़ियों से होकर भूमि वर्ड स्थित बासुदेव वाटर प्लांट नामक पानी बिक्री व्यवसाई द्वारा बनाई गई टंकियों में डाली गई थी.बासुदेव वाटर प्लांट मालिक आकाश घरत द्वारा स्टेम वाटर से चोरी किया गया पानी फिल्टर कर आर्थिक फायदे के तहत खुले बाजार में विक्री किया जा रहा था.जानकारी मिलते ही जलापूर्ति विभाग उप अभियंता सरफराज अंसारी और वाटर टास्क फोर्स प्रमुख विराज भोईर, नफीस मोमिन की टीम ने जल वाहिनी को काटकर पानी चोरी में लिप्त बासुदेव वाटर सप्लाई मालिक आकाश घरत पर 5,04000 हजार रुपए का पानी चोरी का आपराधिक मामला दाखिल कराया है.जलापूर्ति विभाग के एक्शन से पानी चोरों में हड़कंप मच गया है.

पानी चोरी पर पुलिस में दर्ज होगा अपराध

पानी चोरी अक्षम्य अपराध है .जलापूर्ति विभाग से मंजू री लेकर ही नल कनेक्शन लगाया जाना चाहिए .वाटर टास्क फोर्स टीम समूचे शहर में सर्च अभियान चलाकर पानी चोरी पर लगाम लगाने में जुटी है .पानी चोरी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी .मनपा राजस्व का नुकसान करने वालों पर आपराधिक मामला दाखिल होगा .

–**संदीप पटनावर**, कार्यकारी अभियंता, जलापूर्ति विभाग मनपा

रणवीर सिंह को कांतारा विवाद में कोर्ट से राहत

- चार हफ्तों में मंदिर जाकर माफी की शर्त
- हाईकोर्ट ने केस निपटाने के संकेत दिए

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह 'कांतारा मिमिक्री विवाद' में कर्नाटक हाईकोर्ट से राहत की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। कोर्ट ने केस निपटाने के संकेत दिए हैं, लेकिन एक शर्त रखी है। हाईकोर्ट ने अभिनेता को 4 हफ्ते में चामुंडी हिल मंदिर जाकर माफी मांगने को कहा है।

रणवीर सिंह ने अपने खिलाफ दर्ज FIR रद्द करने के लिए याचिका दाखिल की थी। मामला तब सामने आया था, जब उन्होंने गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) के दौरान 'कांतारा' के एक सीन की मिमिक्री की थी। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने 'चवुंडा दैवा' पर टिप्पणी की, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं।

एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक वकील की शिकायत पर FIR दर्ज हुई थी। इसके बाद रणवीर ने कोर्ट का रुख किया और माफी मांगी। सुनवाई में उनके वकील ने कहा कि रणवीर खेद जता चुके हैं और मंदिर जाकर सम्मान प्रकट करने को तैयार हैं।

हालांकि, याचिकाकर्ता ने दलील दी कि अभिनेता की माफी स्पष्ट और ठोस नहीं है। उन्होंने कहा कि "ड्यू कोर्स" जैसे शब्द अस्पष्ट हैं, इसलिए तय समयसीमा होनी चाहिए। इस पर कोर्ट ने कहा कि आदेश में लिखा जाएगा कि रणवीर को चार हफ्तों में मंदिर जाना होगा।

सुनवाई में जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा कि अभिनेता के व्यवहार पर टिप्पणी की जाएगी, ताकि भविष्य में सेलिब्रिटी ऐसी घटनाओं को हल्के में न लें। कोर्ट ने संकेत दिया कि केस निपटाते समय चेतावनी दर्ज की जा सकती है।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब रणवीर सिंह ने 'कांतारा' में ऋषभ शेट्टी के किरदार की नकल करते हुए उसे 'घोस्ट' कहा था। इस पर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई, जिसके बाद मामला कानूनी रूप ले गया।

अब सभी की नजरें कोर्ट के अंतिम फैसले पर हैं, जो आने वाले दिनों में विवाद को खत्म कर सकता है।

महाराष्ट्र में ऑटो रिक्शा-टैक्सी ड्राइवरों की लगने लगी 'मराठी की पाठशाला'

मुंबई. महाराष्ट्र में 1 मई से सभी लाइसेंसधारी ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य किया गया है. इस फैसले के तहत ड्राइवरों को राज्य के 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (RTO) में जांच के दौरान मराठी पढ़ना और लिखना आना चाहिए, नहीं तो उनका लाइसेंस रद्द किया जा सकता है.

इस फैसले से नाराज होकर, ऑटो रिक्शा चालकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ ट्रेड यूनियनों ने 4 मई से राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की धमकी दी है. ऐसे में अब मुंबई में उत्तर भारतीयों को मराठी सिखाने की जिम्मेदारी कई कोचिंग क्लास ने उठा ली है, जो कुछ पैसे लेकर कुछ दिनों में ही मराठी सिखाने का वादा कर रहे हैं. सोशल

मीडिया पर कई ऐसे पोस्टर और बैनर वायरल हो रहे हैं जो ऑटो ड्राइवर्स को कोचिंग देने की तैयारी में हैं. ये लोग पैसे लेकर 15 दिन से एक महीने में मराठी सिखाने का दावा कर रहे हैं. दिलचस्प बात यह है कि ऑनलाइन कई उत्तर भारतीय ऑटो ड्राइवर जानकारी ले रहे हैं और कोचिंग क्लास में एडमिशन भी कर रहे हैं. कोचिंग क्लास वाले जल्द से जल्द मराठी सिखाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति कर रहे हैं और बाकायदा क्लास की टाइमिंग भी तय हो गई है. ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि मराठी सिखाने वाले कोचिंग क्लास अपने इस पहल में कितना कामयाब होते हैं. गौरतलब है कि मुंबई में ऑटो चलाने वालों की संख्या तकरीबन 75% है, जिनमें से कई ऐसे हैं जो 30 साल से ज़्यादा समय से मुंबई में ऑटो चला रहे हैं.

ऑटो ड्राइवर ने बताया मराठी जरूरी

- कृष्ण राज नाम के एक व्यक्ति का कहना है कि अगर किसी के अंदर सच में मराठी सीखने की इच्छा हो, तो वह इसे आसानी से सीख सकता है. यात्रा के दौरान मराठी जानना काफी मददगार होता है. वहीं, एक ऑटो ड्राइवर ने कहा कि महाराष्ट्र में हर किसी को मराठी बोलना आना चाहिए. जैसे गुजरात जाने पर गुजराती बोलनी पड़ती है, वैसे ही महाराष्ट्र में मराठी आना जरूरी है.
- एक अन्य ऑटो ड्राइवर का कहना है कि मराठी बोलना अच्छी बात है, लेकिन इसे मुद्दा बनाना या लोगों को परेशान करना गलत है. मराठी सीखनी चाहिए, लेकिन इसके लिए लोगों को पर्याप्त समय भी दिया जाना चाहिए.

मंत्री को 'गेट आउट' कहने वाली महिला के खिलाफ शिकायत

मुंबई. मुंबई के वर्ली में BJP के एक प्रोटेस्ट के कारण लगे ट्रैफिक जाम को लेकर महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन पर भड़कने वाली महिला के खिलाफ अब शिकायत दर्ज हो गई है। महिला पर आरोप है कि उनका मकसद भगदड़ मचाकर एक बड़ा हादसा कराना था। दरअसल, महिला आरक्षण बिल के मुद्दे पर BJP ने एक मार्च निकाला था, जिससे मुंबई की सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। इसी जाम में फंसी महिला अपनी कार से उतरी और मंत्री गिरीश महाजन को खूब खरी-खोटी सुनाई। मुंबई की 10वीं क्लास की एक छात्रा और एक्टिविस्ट ज़ेन सदावर्ते ने महिला के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हज़ारों महिलाओं की रैली के बीच महिला ने जानबूझकर हंगामा किया ताकि भगदड़ मच जाए और कोई बड़ा हादसा हो। शिकायत में यह भी कहा गया है कि महिला ने प्रदर्शनकारियों और पुलिस पर बोतल फेंकी। शिकायतकर्ता का कहना है कि महिला ने न्यूज़ चैनलों को देखकर शोहरत पाने के लिए ऐसा किया और कानून हाथ में लेने की कोशिश की।

हालांकि, इससे पहले मंत्री गिरीश महाजन ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि महिला का गुस्सा अचानक आया था और वह उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं चाहते। उन्होंने यह भी कहा था कि वह अपने बच्चे को स्कूल से लाने की जल्दी में थी, इसलिए उनका गुस्सा कुछ हद तक जायज़ था। लेकिन अब ज़ेन सदावर्ते ने अपनी शिकायत में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत महिला के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की है।

हाजी अली में मिला दुर्लभ समुद्री स्लग

मुंबई. मुंबई के हाजी अली इलाके में 21 अप्रैल 2026 को एक दुर्लभ समुद्री जीव की साइटिंग दर्ज की गई है। यह डिस्कोडोरिड सेबुएन्सिस नामक समुद्री घोंघा है, जिसे भारत में पहली बार देखा गया है। इससे पहले यह प्रजाति केवल फिलीपींस में ही देखी गई थी। यह खोज भारतीय समुद्री जीव विज्ञान के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह दुर्लभ समुद्री जीव वाइल्ड लाइफ उत्साही वैभव हल्दीपुर, अमेय पारकर और जॉनसन वरकी द्वारा देखा गया। तीनों दोस्त अपनी नियमित आउटिंग के दौरान हाजी अली क्षेत्र में घूम रहे थे, तभी उन्होंने इस अनोखे जीव को नोटिस किया। यह प्रजाति डिस्कोडोरिडिडे परिवार से संबंधित है। यह डोरिड नूडिब्रांच का एक समूह है, जो उष्णकटिबंधीय इंडो-वेस्ट पैसिफिक क्षेत्र में पाया जाता है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099